त्रिलोक सिंह ठकुरेला को बाल साहित्य भूषण व 'वीरबाला काली बाई स्मृति सम्मान'

साहित्यकार त्रिलोक सिंह ठकुरेला को साहित्य मण्डल, श्रीनाथद्वारा द्वारा उनके द्वारा बाल साहित्य के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय कार्य के लिए बाल साहित्य भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया है ।

दिनांक 6 एवं 7 जनवरी 2024 को साहित्य मण्डल, श्रीनाथद्वारा के श्री भगवती प्रसाद देवपुरा प्रेक्षागार में आयोजित भव्य राष्ट्रीय बाल साहित्य समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकों और पत्रिकाओं के प्रदर्शन, काव्यपाठ तथा कहानी वाचन के साथ साथ देश के विभिन्न राज्यों से आये साहित्यकारों का सम्मान किया गया । इस अवसर पर साहित्य मण्डल द्वारा त्रिलोक सिंह ठकुरेला को पगड़ी और कंठहार पहनाते हुए अंगवस्त्र, शॉल,श्रीफल और श्रीनाथ जी छवि और प्रसाद देकर स्वागत किया गया। त्रिलोक सिंह ठकुरेला को साहित्य मण्डल के अध्यक्ष श्री मदनमोहन शर्मा तथा प्रधानमंत्री श्री श्यामप्रसाद देवपुरा द्वारा उपाधि पत्र देते हुए बाल साहित्य भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया । त्रिलोक सिंह ठकुरेला को इससे पूर्व भी राजस्थान साहित्य अकादमी तथा पण्डित जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी सहित अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है ।उल्लेखनीय है कि त्रिलोक सिंह ठकुरेला की रचनाएँ तीस से अधिक पाठ्यपुस्तकों में सम्मिलित की गयी है । त्रिलोक सिंह ठकुरेला ने कुण्डलिया छंद को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाते हुए बाल साहित्य के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है ।

साहित्यकार त्रिलोक सिंह ठकुरेला को उनके द्वारा बाल साहित्य के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय योगदान के लिए नई दिल्ली की 'द गोल्डन एरा' संस्था द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर दिनांक 24 जनवरी 2024 को आयोजित भव्य समारोह में 'वीरबाला काली बाई स्मृति सम्मान' से सम्मानित किया गया ।

'द गोल्डन एरा' के अध्यक्ष संजय पति तिवारी और न्यासी चन्द्रकांत ने त्रिलोक सिंह ठकुरेला का पुष्पगुच्छ देकर एवं शॉल उढ़ाकर स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया ।

नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित इस समारोह में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अनेक संस्थाओं के अध्यक्षों,खिलाड़ियों,पत्रकारों तथा दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के उद्घोषकों सहित देश के गणमान्य व्यक्तियों के साथ साथ अनेक बालिकाएं उपस्थित थीं । इस कार्यक्रम में अपने क्षेत्र में विशेष उपलब्धियों के लिए अनेक व्यक्तियों तथा बालिकाओं को भी सम्मानित किया गया ।

इस अवसर पर बालिकाओं द्वारा त्रिलोक सिंह ठकुरेला के गीत 'सुनहरा भविष्य हैं हमारी बेटियाँ' का सस्वर प्रस्तुतिकरण भी किया गया । उल्लेखनीय है कि त्रिलोक सिंह ठकुरेला की कृतियाँ राजस्थान साहित्य अकादमी एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी (राजस्थान) के आर्थिक सहयोग से प्रकाशित की गयी हैं तथा उनकी रचनाएँ महाराष्ट्र राज्य की

ISSN:2583-8849

दसवीं कक्षा की हिन्दी पाठ्यपुस्तक 'हिन्दी कुमारभारती' सहित चालीस से अधिक पाठ्यपुस्तकों में सम्मिलित की गयी हैं ।

ISSN:2583-8849